March 2023

गिफ्टएबल्ड फाउंडेशन

व्यापक दिव्यांग पुनर्वास कार्यक्रम, उत्तर प्रदेश

Gift Abled
Fostering Inclusion

फाउंडेशन के बारे में

गिफ्टएबल्ड समान विचारधारा वाले व्यक्तियों का एक ऐसा पारिस्थितिकी तंत्र बनाने का प्रयास करता है ताकि हम सामूहिक रूप से दिव्यांग व्यक्तियों के लिए एक समावेशी समाज का निर्माण कर सकें।

हमारा उद्देश्य दिव्यांग व्यक्तियों को इस तरह सशक्त बनाना है कि वे गरिमा और आत्म सम्मान के साथ जीवन जी सकें!

गिफ्टएबल्ड फाउंडेशन

Fostering Inclusion

सिलाई प्रशिक्षण

बलरामपुर प्रशिक्षण केन्द्र में बैग सिलने वाले 17 हितग्राहियों को वेतन दिया गया। एक लाभार्थी को एक हजार रुपये की दर से कुल 17 हजार रुपये दिए गए।

मसाला प्रशिक्षण केंद्र का उद्घाटन, श्रावस्ती

आज भिंगा मसाला प्रशिक्षण केन्द्र के शुभ अवसर पर श्रावस्ती के जिला पंचायत अध्यक्ष पूर्व मंत्री दद्दन मिश्र, मथुरा के प्रखंड अध्यक्ष गुलाब पाठक एवं ग्राम प्रधान भिंगा सहित केन्द्र में सहभागी 80 हितग्राही उपस्थित रहे। माननीय जिला पंचायत अध्यक्ष गिफ्टएबल्ड फाउंडेशन ने दिव्यांगजनों के लिए चलाए जा रहे तमाम कार्यक्रमों की बात कही है और फाउंडेशन को हर तरह से सहयोग करने का वादा भी किया है।

स्वतंत्रता - आजीविका संसाधन सिलाई प्रशिक्षण केंद्र

Gift Abled
Fostering Inclusion

हम आपके साथ उत्तर प्रदेश में गिफ्टएबल्ड फाउंडेशन की नवीनतम पहल को साझा करने के लिए उत्साहित हैं। हमारा टीम हमारे विकलांग लाभार्थियों को स्वेटर बुनाई में प्रशिक्षित करने के लिए कड़ी मेहनत कर रही है मशीन का संचालन। इस पहल का उद्देश्य हमारे लाभार्थियों को स्थायी आजीविका प्रदान करना है और उन्हें आर्थिक रूप से स्वतंत्र होने के लिए सशक्त बनाना।

हमारे लाभार्थियों की कड़ी मेहनत और समर्पण के लिए धन्यवाद, हमें यह साझा करने में गर्व है कि उनके पास है बुनाई मशीनों का उपयोग करके सफलतापूर्वक स्वेटर, मफलर, विंटर कैप और बहुत कुछ बनाने में सक्षम हैं। यह उनके लिए एक बहुत बड़ा मील का पत्थर है, क्योंकि उन्होंने कई चुनौतियों और बाधाओं को पार किया है रास्ता।

हमारा मानना है कि यह पहल अधिक समावेशी समाज बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जहां विकलांग लोगों को सफल होने के समान अवसर दिए जाते हैं। हम अपने जारी रखने के लिए प्रतिबद्ध हैं हमारे लाभार्थियों को सशक्त बनाने और उन्हें फलने-फूलने के लिए आवश्यक उपकरण प्रदान करने के प्रयास। हम इस अवसर पर अपने समर्थकों और दानदाताओं के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त करना चाहते हैं, जिनके बिना यह पहल संभव नहीं होती। आपके योगदान ने बहुत बड़ा काम किया है हमारे लाभार्थियों के जीवन में अंतर आया है, और हम आपके निरंतर समर्थन के लिए वास्तव में आभारी हैं। हमारी नवीनतम पहल के बारे में पढ़ने के लिए समय निकालने के लिए धन्यवाद। हम और अधिक साझा करने के लिए उत्सुक हैं भविष्य में आपके साथ अपडेट।

मशरूम खेती का प्रशिक्षण

Gift Abled
Fostering Inclusion

पिछले नवंबर में, हमने अपने विकलांग लोगों को मशरूम की खेती का प्रशिक्षण दिया, जो एक बड़ी सफलता रही है। इस प्रशिक्षण के माध्यम से, हमारे लाभार्थियों ने मूल्यवान कौशल और ज्ञान प्राप्त किया है जिससे वे स्थायी आजीविका प्राप्त करने में सक्षम हुए हैं। हम यह देखकर रोमांचित हैं कि कैसे इस प्रशिक्षण ने उनके जीवन पर सकारात्मक प्रभाव डाला है और उन्हें अपना और अपने परिवार का भरण-पोषण करने के लिए एक अच्छी आय अर्जित करने की अनुमति दी है। परिवारों।

हमारे लाभार्थियों को आगे समर्थन देने के लिए, गिफ्टएबल्ड फाउंडेशन ने मशरूम भी सौंप दिया है उनके लिए कृषि केंद्र। इसका मतलब है कि अब उनके पास केंद्र का पूर्ण स्वामित्व है और वे अधिक कमा सकते हैं यह से। यह हमारे लाभार्थियों को आत्मनिर्भर बनने के लिए सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम हैस्वतंत्र।

हमें अपने लाभार्थियों पर उनकी कड़ी मेहनत और दृढ़ संकल्प के लिए बहुत गर्व है, और हम हैं इसे संभव बनाने के लिए हमारे समर्थकों का आभारी हूं। यह केवल आपके उदार दान से ही है जो हम कर सकते हैं जरूरतमंदों के जीवन में बदलाव लाना जारी रखें।

रोजगार परक कम्प्यूटर कोर्स

Gift Abled
Fostering Inclusion

गिफ्टेबल्ड फाउंडेशन एवं एम एल के पी जी बलरामपुर के आपसी सहयोग से हमने 03 मार्च 2023 को 'बेसिक एंप्लॉयबिलिटी स्किल डेवलपमेंट' कोर्स के लिए एक नये ट्रेनिंग सेंटर का उद्घाटन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन हमारी मुख्य अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष बलरामपुर आरती तिवारी एवं एम एल•के•पी•जी• कॉलेज के प्राचार्य डॉ• जे पी पाण्डेय जी के द्वारा किया गया। इस ट्रेनिंग सेंटर में हमने स्मॉर्ट क्लॉस एवं कंप्यूटर ट्रेनिंग लैब विकसित है।

कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य ऐसे दिव्यांग बच्चे जो कि स्नातक पास हैं, उनको बेसिक कंप्यूटर स्किल एवं सॉफ्ट स्किल की ट्रेनिंग प्रदान करना है जिससे उनको मल्टीनेशनल कंपनी में रोजगार मिल सके और वह भी समाज के साथ कदम से कदम मिलाकर आगे बढ़ सके।

हमारी सफलताएं - प्रशंसापत्र

Gift Abled
Fostering Inclusion

रामशा शाह, 6 साल

मेरा नाम रामशा शाह है , मै 6 वर्ष की हु , मेरे पिता का नाम मक़सूद आलम है, अलिजानपुरवा जिला बलरामपुर की रहने वाली हु मै इस संस्था से करीब दो साल से जुडी हु मुझे इस संसंस्था से बहुत सारी सुविधाएँ मिली है जिसमे 17 फ़रवरी को रोलेटर मिला है जिसकी मदद से मै थोड़ी थोड़ी चल पाती हु

जाहिद अली,

मेरा नाम जाहिद अली है मै बेलवा सुलतान जोत जिला बलरामपुर का रहने वाला हु, मेरे पिता का नाम बुग्गन है, मुझे 18 मार्च को गिफ्ट गिफ्टएबल्ड फाउंडेशन की तरफ से रोलेटर मिला जिसकी मदद से अब ठीक से चल पाता हु, मै बहुत खुश हु क्योंकि पहले चलता था तो गिर जाता था,

कृष्णा कुलदीप

मेरा नाम कृष्णा कुलदीप है | मेरे पिता का नाम रामकिशोर है मै हसदीह जिला बलरामपुर का रहने वाला हु मुझे 20 फ़रवरी को गिफ्टएबल्ड फाउंडेशन की तरफ से रोलेटर मिला है

हम परिवार केंद्रित देखभाल [FCC] को कैसे समझते हैं?

Fostering Inclusion

परिवार केंद्रित देखभाल को आईसीएफ लेंस के माध्यम से समझा जाना चाहिए क्योंकि परिवार इस ढांचे के प्रासंगिक डोमेन का एक अभिन्न अंग है।

परिभाषा के अनुसार, परिवार-केंद्रित देखभाल (FCC) परिवार और स्वास्थ्य देखभाल प्रदाताओं के बीच स्वास्थ्य देखभाल निर्णय लेने के लिए एक साझेदारी दृष्टिकोण है। परिवार केंद्रित दृष्टिकोण परिणामों को 4 गुना और खेल पद्धति को 2 गुना बेहतर बनाता है। [आयोना नोवाक]। एक संयोजन गिफ्टएबल्ड सर्विस मॉडल में प्रचलित इन दृष्टिकोणों में से बहुत बेहतर परिणाम देने चाहिए।

घटना एफसीएस के विचाराधीन है

- देखभाल की जिम्मेदारी
- पारिवारिक संयम
- भाई बहन और दादा दादी की जरूरत है
- परिवार में प्रचलित वित्तीय दृष्टिकोण और स्वास्थ्य समस्याओं से प्रभावित परिवार के जीवन की गुणवत्ता
- पेरेंटिंग स्टाइल्स
- माता-पिता का तनाव
- सांस्कृतिक और आध्यात्मिक दृष्टिकोण
- सामाजिक समर्थन और पहुंच बाधाएं या दूरस्थ सेवा केंद्रों के लिए परिवहन की उपलब्धता

ये सभी घटनाएं माता-पिता के निर्णय लेने और उपलब्ध सेवाओं के उपयोग को प्रभावित करेंगी।

- परिवारों की सहायता के लिए पेशेवरों को पारिवारिक मूल्यांकन में इन कारकों पर विचार करना होगा। किसी भी प्रारंभिक हस्तक्षेप कार्यक्रम की सफलता के लिए माता-पिता के सहयोग, भागीदारी, समान और सहयोगी साझेदारी को सूचीबद्ध करने के लिए इन सभी कारकों के लिए बाधाओं को संबोधित किया जाना चाहिए। सभी परिवार संसाधन संपन्न हैं, लेकिन सभी परिवारों के पास संसाधनों तक समान पहुंच नहीं है। सभी परिवारों में ताकत और क्षमताएं होती हैं जिनका उपयोग अपने बच्चे की मदद करने के लिए किया जा सकता है।

हम इसका अभ्यास कैसे करते हैं?

- **सूचना साझा करना :** सूचनाओं का आदान-प्रदान खुला, वस्तुनिष्ठ और निष्पक्ष है
- **मतभेदों का सम्मान और सम्मान :** कामकाजी संबंध विविधता, सांस्कृतिक और भाषाई परंपराओं और देखभाल की प्राथमिकताओं के सम्मान से चिह्नित होते हैं
- **साझेदारी और सहयोग :** चिकित्सकीय रूप से उपयुक्त निर्णय जो सभी शामिल लोगों की जरूरतों, शक्तियों, मूल्यों और क्षमताओं के लिए सबसे उपयुक्त हों, वे शामिल पार्टियों द्वारा एक साथ किए जाते हैं, जिसमें उनके द्वारा चुने गए स्तर पर परिवार भी शामिल होते हैं।

माता-पिता-पेशेवर साझेदारी : स्वास्थ्य पहलों के साथ हाथ मिलाने की जरूरत है